स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

Health Education Library for People

दुनिया का सबसे बड़ा **मुफ्त** स्वास्थ्य पुस्तकालय है.

यह एक आधुनिक पुस्तकालय है जो सभी बीमारियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है.

अब हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में है :

1. स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को रोग शिक्षा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना
2. रोग जानकारी थेरेपी की वकालत करना
3. रोगियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्रों की स्थापना करना
4. वेबसाइट के लिए ,भारतीय भाषाओं में , रोगी के लिए शैक्षिक सामग्री तैयार करना

For more information on this subject:
Ask the Librarian : Free Answers to any Health Questions !!
http://www.healthlibrary.com/information.htm

For More Info: ASK A LIBRARIAN

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

Health Education Library For People

206,Dr. D.N.Road,
National Insurance Bldg.,
Ground Floor,
Near New Excelsior Cinema,
Mumbai – 400 001.
Tel: 22061101, 22031103, 65952393, 65952394
Email: helplibrary@gmail.com
www.helpforhealth.org

Health Education Library for People

HEALTH EDUCATION LIBRARY FOR PEOPLE

स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

नाक की संरचना

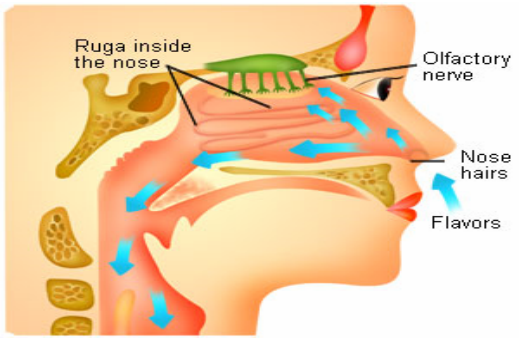

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

नाक की संरचना क्या है?

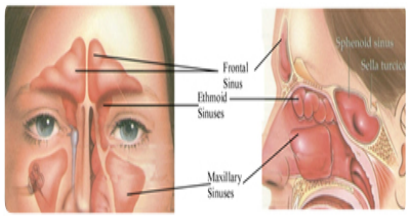

नाक के बाहरी दृश्य भाग:
नाक चेहरे के केंद्र में एक पिरामिड संरचना के रुप में उपस्थित रहती है और दो बराबर के उद्घाटन या नासिका में खुलती है, जो फेफड़ों में हवा के प्रवेश करने के लिये बंदरगाह के रूप में साथ ही गंध की अच्छी तरह से पहचान के लिए मार्ग होते हैं।
नाक के मध्य विभाजन को नासिका सेप्टम कहा जाता है और बहुत सीधी नाक की गहरी जड़ तक होता है। सेप्टम में किसी भी प्रकार का असामान्य विचलन या उभड़ा होने पर नाक में समस्याओं के लिए एक कारण हो सकताहै।

नाक के भीतर:
नाक के भीतर विशेष चिपचिपी परत और छोटे बाल की एक सतह होती है जो श्लेष्म उत्पादन में मदद करती है, यह नाक के भीतर नमी रखने के लिए मदद करता है, नाक में प्रवेश होने वाली हवा को ठंडा करता है और श्वसन तंत्र में हवा को फिल्टर कर शुद्ध कर प्रवेश होने देता है।

हम साँस कैसे लेते हैं:
फेफड़े और छाती में सांस की मांसपेशियों के द्वारा बने नकारात्मक दबाव के कारण हवा नाक के माध्यम से शोषित होती है। यह हवा नासिका में साफ और ठंडी हो जाती है और जीभ के पीछे से गले में प्रवेश करती है। यहाँ से, यह श्वासपथ द्वारा फेफड़ों में प्रवेश करती है।

हम गंध कैसे लेते हैं:
शरीर नाक की मदद से आसपास में मौजूद खुश्बू की पहचान के लिए जिम्मेदार होता है। नाक की भीतरी परत में घ्राण कोशिकाओं होती हैं, जो हवा में उठी एक विशेष गंध की पहचान करती हैं, और घ्राण तंत्रिका के माध्यम से (गंध के संकेतों) को मस्तिष्क के भेजती हैं, जहाँ गंध की पहचान गंध और सुगंध या आक्रामक दुर्घंध के बीच अंतर कर गंध मान्यता की जाती है।

पैरा-नैसल सायनस :
नाक में गुहाओं की एक श्रृंखला होती है जिसे सायनस कहा जाता है। नाक के दोनों पक्षों पर सायनस के 4 जोड़े होते हैं, (इसलिए पैरा-नैसल सायनस कहा जाता है) और उनमें छोटे उद्घाटन होते हैं जो नाक में खुलते हैं।
इन के उद्घाटन के माध्यम से हवा मिलती है,और इस प्रकार किसी भी समस्या का कारण नहीं होते हैं।
ये सायनस निष्काम होते हैं, लेकिन उनकी रुकावट से कई समस्यायें होती हैं, बहुत सामान्य रूप में लोगों को ज्ञात परिणाम में सायनसाईटिस है।